डॉ. आशीष लेले अभियांत्रिकी विज्ञान में शान्ति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित

डॉ. आशीष के. लेले, वैज्ञानिक राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल), पुणे को अभियांत्रिकी विज्ञान में वर्ष 2006 का शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार प्रदान किया गया है । डॉ. लेले का कार्य बहुलकन पदार्थों की सूक्ष्म संरचना की जांच से सम्बन्धित है । वे विशेष रूप से स्मार्ट जेल, गतिकी पर आणविक सांस्थितिकी का प्रभाव तथा बहुलक - नैनोक्ले कम्पोजिटों पर कार्य कर रहे हैं ।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के संस्थापक निदेशक के सम्मान में प्रारंभ किया गया शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार विज्ञान के क्षेत्र में सबसे बड़ा भारतीय पुरस्कार है । यह ''विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हेतु शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार'' नाम से विख्यात है । इसके अन्तर्गत एक प्रशस्तिपत्र, फलक और 2 लाख रु.नकद प्रदान किए जाते हैं ।

डॉ. लेले एन.सी.एल. में ''सम्मिश्र तरल पदार्थ एवं बहुलक अभियांत्रिकी'' ग्रूप के प्रमुख हैं । उन्हें वर्ष 1996 में सीएसआईआर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, वर्ष 1998 में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार तथा वर्ष 2003 में यूआईसीटी ऐलमनी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किए गए थे । वे भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (2004) के मानद सदस्य हैं । उनके अड़तीस शोधपत्र अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं । डॉ. लेले ने सम्मेलनों में ग्यारह आलेख प्रस्तुत किए हैं और उन्हें एक अमरीकी पेटेण्ट प्राप्त हुआ है ।

*****